दैनिक भास्कर

23-Nov-2018
रांची Page 20

वन उत्पादकता संस्थान ललगुटवा में जवाहर नवोदय विद्यालय के पटना प्रक्षेत्र से आए 110 विद्यार्थियों एवं 20 शिक्षकों का भ्रमण

भास्कर न्यूज | पिस्का नगड़ी

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून तथा नवोदय विद्यालय समिति द्वारा हस्ताक्षरित समझौते ज्ञापन के अनुसार में वन उत्पादकता संस्थान ललगुटवा(रांची) में जवाहर नवोदय विद्यालय के पटना प्रक्षेत्र से आए 110 विद्यार्थियों एवं 20 शिक्षकों को संस्थान का भ्रमण कराया गया।

इससे पूर्व संस्थान के समूह समन्वयक अनुसंधान डा. योगेश्वर मिश्रा को जवाहर नवोदय विद्यालय, बी.आई.टी. मेसरा में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। जिसमें डा. मिश्रा ने भा.वा.अ.एवं शि.प. देहरादून एवं नवोदय विद्यालय समिति द्वारा निर्धारित "प्रकृति" कार्यक्रम के रूप रेखा को रेखांकित किया किया। विविध कार्यक्रमों के द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को पर्यावरण में हो रहे नुकसानों से अवगत कराना एवं इससे बचाव के उपाय हेतु दूरगामी कार्यक्रम की आवश्यकता पर बल दिया गया है। इसमें पर्यावरण चेतना के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की भी आवश्यकता बताई गई। नवोदय विद्यालय मेसरा रांची के प्राचार्य डा. डीके मोदी द्वारा विद्यालय परिसर में खाली जमीन की प्रचुर उपलब्धता बताई गई। जिसका प्रयोग पौधशाला विकसित करने एवं उपयुक्त प्रजाति के पौधरोपण के लिए भविष्य में दिया जा सकता है। जो कि प्रकृति कार्यक्रम का महत्वपूर्ण बिन्दु है।

21 नवंबर को वन उत्पादकता संस्थान रांची में आए भ्रमणकारी दल का संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी ने स्वागत किया। डा. कुलकर्णी ने प्रकृति कार्यक्रम के महत्व के बारे में अवगत कराया एवं इसकी सफलता के लिए नवोदय विद्यालय मेसरा को हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया।

संस्थान के समूह समन्वयक अनुसंधान, डा. योगेश्वर मिश्रा ने संस्थान में चल रही अनुसंधान गति विधियों से अवगत कराया। प्रकृति कार्यक्रम विषय पर विस्तार से व्याख्यान प्रस्तुत किया। संस्थान के उप वन संरक्षक पी. लकड़ा ने वन जीव प्राणी पर कल चित्र के माध्यम से वन एवं पर्यावरण पर प्रभाव से अवगत कराया। साथ ही साथ लाख उत्पादन से संबंधित चल चित्र भी दिखाया गया। पूर्वी क्षेत्र के बिहार,पश्चिम बंगाल एवं झारखंड राज्य के नवोदय विद्यालय के सहायक उपायुक्त जी मल्लिकार्जुन बाबू ने वन पर्यावरण से संबंधित विषयों पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के बीच अपना व्याख्यान दिया। छात्रों एवं शिक्षकों को संस्थान के प्रयोगात्मक क्षेत्र एवं भिन्न प्रयोगशालाएं का भी भ्रमण कराया गया। छात्रों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का संतोष जनक उत्तर एस, एन वैद्य एवं प्रयोगशाला के प्रभारियों द्वारा दिया गया। एस, एन, वैद्य, एन. आलम, बसंत कुमार, सतीश कुमार एवं सहयोगी दलों ने इस कार्यक्रम में अपना योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के अनुसंधान समूह समन्वयक डा. योगेश्वर मिश्रा द्वारा किया गया।

डेग व नकद देकर सम्मानित किया गया.

शोध कार्य के गुर सिख रहे 110 नन्हे वैज्ञानिक

मेसरा. जवाहर नवोदय विद्यालय पटना रीजन के तत्वावधान में नवोदय विद्यालय मेसरा में बंगाल, बिहार व झारखंड के 110 नन्हे वैज्ञानिक शोध कार्य का गुर सीख रहे हैं. वैज्ञानिक त्रिनाथ पांचाल, पटना रीजन के सहायक आयुक्त मल्लिकार्जुन बाबू, बीआइटी मेसरा के प्रोफेसर के अलावे अन्य वैज्ञानिक बच्चों को सामाजिक, स्वास्थ्य व सामरिक विकास के अलावे लोगों की छोटी-मोटी जरूरतों के विषयों पर शोध के तरीके बता रहे हैं. नन्हे वैज्ञानिकों के दल ने साइंस सिटी कांके, इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट प्रोडक्टविटी सेंटर के अलावे बिरसा जैविक उद्यान में भी जाकर शोध कार्य किये.

इंजन में लगी आग से वाहन जल कर राख